>

Title: Regarding reported instances of discouraging Indian languages as done by UPSC by amending formats of preliminary and main examinations causing hardships to the aspirants of Civil Services.

श्री शरद यादव : मुलायम सिंह जी और प्रभुनाथ जी ने जिस सवाल को उठाया, मैं उसका समर्थन करता हूं। ...(व्यवधान) मैं एक गंभीर मामला उठाना चाहता हूं। हालत यह है कि इस देश के ...(व्यवधान)

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): अध्यक्ष जी, मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर है। ...(व्यवधान)

श्री हरिन पाठक (अहमदाबाद पूर्व): जीरो ऑवर में प्वाइंट ऑफ आर्डर नहीं होता। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : जो मुझे बोलना चाहिए, आप क्यों बोले जा रहे हैं? बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री शरद यादव : अध्यक्ष जी, आपके माध्यम से माननीय सदस्यों से मेरा निवेदन है कि यदि शांति से सुनेंगे तो सबकी बात सुन ली जाएगी। एक बात मैं निवेदन करना चाहता हं कि पिछली बार भी भाषा के सवाल पर यहां पूरा सदन खड़ा हुआ था। यूपीएससी में मैं एक ही बानगी आपके सामने रखना चाहता हूं कि हिंदुस्तान की कोई भी भारतीय भाषा हो, चाहे तेलगू हो, तमिल हो, मराठी हो, गुजराती हो, राजस्थानी हो ...(व्यवधान) संपूर्ण भारतीय भाषाओं और भोजपूरी को इसमें इंक्ल्यूड करें। ...(व्यवधान) सुन तो लीजिए। मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि क्या हालत है कि जो भारतीय भाषाओं के बच्चे थे, उनकी संख्या वर्ष 2008 में 5083 थी, वर्ष 2009 में 4839 हो गयी, वर्ष 2010 में 4156 हो गयी। यह वर्ष 2011 में 1,682, यानी बच्चों की संख्या पांच गुना घट गई है, संपूर्ण भारत की जो अन्य भारतीय भाषाएं हैं, उनकी संख्या पांच गुना घट गई है। भारतीय भाषाओं में पढ़ने वाले जो बच्चे हैं, जो स्कूलों में भारतीय भाषाओं मे पढ़ते हैं, वे बच्चे किस तरह से ...(व्यवधान) यह अग्रवाल जो यू.पी.एस.सी. का अध्यक्ष है...(व्यवधान) सदन तो कानून बनाता है ...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing else will go on records.

*(Interruptions) â€¦ **

श्री शरद यादव : अध्यक्ष महोदया जी, यू.पी.एस.सी. के मामले में ...(व्यवधान) हां, मैं कह रहा हूं कि पांच हजार में से सौ बच्चे पास हुए, मैं अकेले हिन्दी की बात नहीं कर रहा हूं। सारी भारतीय भाषाओं के बच्चों की संख्या पांच से दस गुना घट गई है, मैं आपसे कहना चाहता हूं कि जरा-सी मांग है, भोजपुरी इस देश की बहुत बड़ी भाषा है,...(व्यवधान) राजस्थानी भी देश की भाषा है। ...(व्यवधान) मैं सभी भारतीय भाषाओं के बारे में बोल रहा हूं। ...(व्यवधान) यह अभी थोड़े ही इंक्लूड हो रही हैं। ...(व्यवधान)

मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि इसी तरह से रिजर्वेशन पर दो मंत्रियों का भाषण होता है। एक मंत्री कहता है, कांस्टीट्युशन बेंच का जो फैसला है, हम उसे नहीं मानेंगे, जैसा पहले रिजर्वेशन था, वैसा रहेगा। अभी एम्स में, हेल्थ मिनिस्टर ने सिर्फ असिस्टेंट प्रोफेसर का निकाला है।

श्री प्रभुनाथ सिंह : शरद जी आप बात को डायवर्ट मत कीजिए। अभी भोजपुरी का सवाल है, आप इस पर सवाल उठाइए। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : कृपया आप सभी बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री शरद यादव : यह पूरी भारतीय भाषाओं का सवाल है।...(व्यवधान)

श्री हुक्मदेव नारायण यादव (मधुबनी): सारे देश की देसी भाषा का सवाल है। गरीबों के साथ अन्याय हो रहा है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप ऐसा नहीं करिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप किसलिए इतना आक्रोश में आ रहे हैं?

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आपने बोल दिया, अब आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing else will go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

श्री शरद यादव : रिजर्वेशन का मुद्दा मैंने उठा दिया। ...(व्यवधान) सारी भारतीय भाषाएं हमारी हैं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया :

श्री पी.एल.पुनिया,

श्री शैलेन्द्र कुमार,

श्रीमती रमादेवी,

श्री अशोक अर्गल,

श्रीमती कमला देवी पटले,

श्रीमती ज्योति धुर्वे,

श्री हंसराज गं. अहीर,

श्री सोहन पोटाई,

श्री अर्जुन राम मेघवाल,

श्री रामसिंह राठवा,

श्री देवजी एम. पटेल शून्य प्रहर में श्री शरद यादव द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करते हैं।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Hon. Members, see, in this House, because hon. Members give so much respect to all the Indian languages, we have 22 languages. It is the only House in the world which functions in 22 languages. If we need to have more, I think, we should;

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : नहीं, हिन्दी और अंग्रेजी सभी भाषाएं हैं।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप कहिएगा कि तेलुगु भाषा में बोलिए। यह तो कोई मांग नहीं हुई। हम जिस भाषा में बोल रहे हैं, वे सब भारत की भाषाएं हैं और हमें इस बात का बहुत गर्व है। यह एक खुली बात है कि और भी भाषाओं को इस पर लाना है, सदन इसमें विचार कर रहा है।

श्रीमती हरसिमरत कौर बादल (भटिंडा): आपने मुझे एक बहुत ही गंभीर विषय पर बोलने का मौका दिया, इसके लिए धन्यवाद। मैं आपका इस बात के लिए शुकराना करना चाहती हूं कि आज मैंने एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर एडजर्नमैंट मोशन दिया था कि हमारे काफी राज्यों में जो बाढ़ आई हुई है, उससे पीड़ित किसानों के कम्पैनसेशन की बात की जाए। ...(व्यवधान)

श्री हुकमदेव नारायण यादव : महोदया, शरद जी को अपनी बात कनक्लूड करने दीजिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : उन्होंने कनक्लूड कर लिया है। वे और कितना लम्बा बोलेंगे।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप उन्हें कनक्लूड करने दीजिए। आपकी बात पूरी हो गई है।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : हम बाध्य नहीं कर सकते।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप मुझे फोर्स मत कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप क्यों खड़े हैं? क्या उन्हें हर समय आपके समर्थन की जरूरत पड़ती है? आप बैठ जाइए। शरद जी, प्लीज़ आप अपनी बात कनक्लूड कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री शरद यादव : अंत में मेरा निवेदन है कि आपने भारतीय भाषाओं के गौरव के बारे में कहा जबकि इसे रोज गिराया जा रहा है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ठीक है, अब आप अपनी बात समाप्त कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री शरद यादव : भारत मां की बोली रोज धकेली जा रही है। ...(व्यवधान) पहले आईएएस, आईपीएस में बहुत लोग आते थे, आज उनकी संख्या पांच हजार से सौ हो गई है। इसलिए मैं सरकार से इस बारे में कहना चाहता हूं। यहां कोई नहीं बैठे हैं। आप बताइए कि इसका क्या इलाज हो।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ठीक है, अब आप अपनी बात समाप्त कीजिए। मैंने महिला सांसद को बोलने के लिए खड़ा किया है। अब आप अपनी बात समाप्त कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री शरद यादव : रिजर्वेशन के मामले में...(व्यवधान) दोनों मंत्रियों ने जवाब दिया था।...(व्यवधान)

श्रीमती हरसिमरत कौर बादल (भटिंडा): शरद जी, मुझे किसानों के बारे में बहुत जरूरी बात कहने दीजिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ठीक है। हरसिमरत जी खड़ी हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री शरद यादव : आज एम्स में असिस्टैंट प्रोफैसर्स की जगह निकालकर हैल्थ मिनिस्टर...(व्यवधान)

श्रीमती हरसिमरत कौर बादल : शरद जी, किसानों की बात बहुत जरूरी है, मुझे कहने कीजिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती हरसिमरत कौर बादल : मैडम, मैं आपका धन्यवाद करना चाहती हूं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब क्या हो गया? फिर सब खड़े हो रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती हरसिमरत कौर बादल : आपने मुझे बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप सब बैठ जाइए। मंत्री जी बोल रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

ग्रामीण विकास मंत्री (श्री जयराम रमेश): स्पीकर महोदया, भोजपुरी और राजस्थानी भाषा के बारे में काफी लम्बे समय से चर्चा चल रही है। सरकार की ओर से कई बार गृह मंत्री जी द्वारा आश्वासन भी दिया गया है। आज जो भावनाएं प्रकट की गई हैं, मैं उनसे गृह मंत्री जी को जरूर अवगत करवाऊंगा।

मुलायम सिंह जी ने उर्दू के बारे में जो बात उठाई है, मैं उन्हें जानकारी देना चाहता हूं कि उर्दू आठवें शैडयूल में शामिल हो चुकी है।

अध्यक्ष महोदया : हरसिमरत कौर जी, अब आप बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मैं उन्हें बोलने के लिए खड़ा कर रही हूं। आप सब क्यों खड़े हो रहे हैं। सदन में एक महिला सदस्य खड़ी हो रही है। बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)